शिव अद्भुत रूप बनाए,
जब ब्याह रचाने आए।।

तर्ज मनिहारी का भेष बनाया।

भुत बेताल थे,
संग में चंडाल थे,
भुत बेताल थे,
संग में चंडाल थे,
कैसी बारात शंकर सजाए,
जब ब्याह रचाने आए।
शिव अदभुत रूप बनाए ,
जब ब्याह रचाने आए।।

लंगड़े-लूले भी थे,
अंधे काणे भी थे,
लंगड़े-लूले भी थे,
अंधे काणे भी थे,
शुक्र शनिचर को भी संग लाये,
जब ब्याह रचाने आए।
शिव अदभुत रूप बनाए ,
जब ब्याह रचाने आए।।

आए सब देवता,

पाए जब नेवता,
आए सब देवता,
पाए जब नेवता,
देवियों को भी संग में बुलाए,
जब ब्याह रचाने आए।
शिव अदभुत रूप बनाए ,
जब ब्याह रचाने आए।।

लोग डरने लगे,
और ये कहने लगे,
लोग डरने लगे,
और ये कहने लगे,
रूप कैसा गजब बनाए,
जब ब्याह रचाने आए।
शिव अदभुत रूप बनाए ,
जब ब्याह रचाने आए।।

बोलो सत्यम शिवम्,
है वही सुन्दरम,
बोलो सत्यम शिवम्,
है वही सुन्दरम,
गोरा के मन को भाए,
जब ब्याह रचाने आए।
शिव अदभुत रूप बनाए ,
जब ब्याह रचाने आए।।

शिव अद्भुत रूप बनाए ,
जब ब्याह रचाने आए।।

Singer : Tripti Shakya

Source: https://www.bharattemples.com/shiv-adbhut-roop-banaye-in-hindi/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw